मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 42 | अंक : 123 | रविवार, 28 जुलाई 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

परिणीति ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

ट्रक चालक से हफ्ता मांगने वाले 3 गिरफ्तार

मोरीवली में चालक से इंट्री फीस भी मांगी

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मोरीवली गांव में कार में आए तीन लोगों ने एक ट्रक को रोक कर चालक से माल का बिल और हफ्ता मांगा, चालक को मारा भी. अंबरनाथ पुलिस में चालक द्वारा शिकायत लिखाने पर पुलिस ने मोरीवली निवासी तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. अंबरनाथ पुलिस में उत्तर प्रदेश बस्ती निवासी सिराजुद्दीन खान (25) ने शिकायत पंजीकृत कराया है कि 26 जुलाई को वह हैदराबाद से अपने ट्रक में कांच का सामान भर कर अंबरनाथ के मोरीवली में आ रहे थे कि उनकी ट्रक के सामने एक स्विफ्ट कार आकर रुकी. उन्होंने ट्रक रोक दिया. उसमें से दो लोग ट्रक के पास आए और उनसे ट्रक में रखे सामान का बिल मांगा. नहीं देने पर वह ट्रक पर चढ़ गए और उन्हें मारने की धमकी देने लगे. घबराकर खान ने उन्हें ट्रक में रखे सामान का बिल बताया. बाद में उन्होंने धमकी दी कि तुम को यहां आना है तो इंट्री फीस देना पड़ेगा. हमको हफ्ता देना पड़ेगा. चालक से उन्होंने जबरदस्ती करके, डरा धमका कर एक हजार रुपए भी ले लिए. चालक ने पुलिस को स्विफ्ट कार का नंबर एमएच 05 एफबी 1572 बताया है. पुलिस ने तीनों आरोपी निखिल रमेश कटके, विनय सुरेश ढवले, रितेश जयराम निळदे (निवासी मोरीवली गांव) को गिरफ्तार कर लिया है. अंबरनाथ पुलिस मामले की अधिक जांच कर रही है.

ट्रैफिक पुलिस का मनमाना कारोबार

मोबाइल से वाहन का फोटो निकालना गैरकानूनी - RTI में खुलासा

- ट्रैफिक पुलिस से परेशान होकर म्हारल में रिक्शा चालक ने की थी आत्महत्या की कोशिश

- वार्डन मनपा के कर्मचारी हैं ना कि यातायात पुलिस के
- वार्डन द्वारा वाहन चालकों की जांच गैरकानूनी
- ट्रैफिक पुलिस मनमानी बंद करे

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

उल्हासनगर-अंबरनाथ. ट्रैफिक पुलिस के मनमाने कारोबार से वाहन चालक इतने परेशान हो चुके हैं कि हाल ही में म्हारल गांव में एक रिक्शा चालक ने ट्रैफिक पुलिस से तंग आकर आत्महत्या का प्रयास किया था वो मामला तो रफा दफा कर दिया गया लेकिन ट्रैफिक पुलिस का मनमाना कारोबार अभी भी जारी है। ट्रैफिक वार्डन को शहर में ट्रैफिक सुधारने के लिए रखा गया है लेकिन ट्रैफिक वार्डन वाहन चालकों की ट्रैफिक पुलिस बनकर जांच करते हैं। उन्हें ट्रैफिक विभाग का पूरा समर्थन प्राप्त है।

उल्हासनगर व अंबरनाथ यातायात पुलिस द्वारा शहर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों का मोबाइल फोन से फोटो निकालकर उन्हें जुर्माना की रकम भरने के लिए मजबूर किया जा रहा है. जबकि यातायात पुलिस को उनके वरिष्ठ कार्यालय से ऐसी कोई मान्यता नहीं दी गई है. माहिती अधिकार 2005 के अनुसार एक व्यक्ति ने ट्रैफिक पुलिस विभाग से ये पूछा था कि क्या ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के वाहन का पुलिस मोबाइल से फोटो निकाल सकती है? नागपुर के ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक ने उन्हें उत्तर दिया है कि वरिष्ठ कार्यालय से इसकी कोई मान्यता नहीं है. राज्य में किसी भी शहर में ट्रैफिक पुलिस वाहन का फोटो मोबाइल से नहीं निकाल सकते हैं. हर ट्रैफिक पुलिस को ई-चालान की मशीन दी गई है और उनसे कहा गया है कि ई चालान मशीन का उपयोग करें. लेकिन बहुत सारे शहरों में ऐसा नहीं हो रहा है. ट्रैफिक विभाग की ओर से मनमानी की जा रही है. मोबाइल से वाहन का फोटो ट्रैफिक पुलिस को नहीं निकालना चाहिए, लेकिन स्वतः ट्रैफिक पुलिसवाले नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं. वरिष्ठ कार्यालय की तरफ से उन्हें ऐसा आदेश नहीं है. माहिती अधिकार से मिले उत्तर में खुल कर कहा गया है. ये माहिती अधिकार की कॉपी 20 जुलाई 2024 की है. अंबरनाथ रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष मिलिंद पाटिल ने कहा है कि ट्रैफिक विभाग को अपनी मनमानी बंद करके मोबाइल से वाहनों के फोटो निकालना बंद कर देना चाहिए.

■ ट्रांसपोर्टरों को खुली छूट

शहर में ट्रांसपोर्टरों को भी खुली छूट मिली हुई है। ट्रकों, टेम्पो व छोटा टेम्पो को जो लोडिंग अनलोडिंग का समय दिया गया है उसके बावजूद यह दिन भर निवासी क्षेत्र में पाए जाते हैं।

■ निवासी क्षेत्र बना ट्रांसपोर्ट यार्ड

उल्हासनगर-1 इंदिरा गांधी गार्डन परिसर जोकि निवासी क्षेत्र है वहां ट्रांसपोर्ट यार्ड बना हुआ है। उल्हासनगर शहर में वार्डन द्वारा गैरकानूनी कारोबार चलाया जा रहा है। शहर को वार्डन मुक्त करने की जरूरत है।

फड़णवीस की छवि खराब करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

कल्याण. अंबिवली के एक युवक ने खडकपाड़ा पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसने फिल्म में ऐतिहासिक, पुरानी हस्तियों की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ करके उप मुख्यमंत्री की फोटो से छेड़छाड़ करके फड़णवीस की छवि खराब करने की कोशिश की है। खड़कपाड़ा पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद एक्स (ट्विटर) पर गजभाऊ के नाम से गृह मंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को बदनाम करने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता का नाम प्रथमेश अनंत पाटिल है। वह अटाली अंबिवली इलाके में रहता है। पुलिस ने कहा कि गजभाऊ के एक्स (ट्विटर) अकाउंट ने ऐतिहासिक अफजल खान की क्रूर छवि के साथ फिल्म के खलनायक गब्बर सिंह के साथ देवेंद्र फड़नवीस की छवि साझा करके यह दिखाने की कोशिश की कि फड़नवीस एक आधुनिक खलनायक हैं. इससे समाज में असुरक्षा की भावना पैदा हुई। ये मानहानि गजभाऊ के एक्स अकाउंट से की गई है. इसलिए खड़कपाड़ा पुलिस ने इस अकाउंट के यूजर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है.

31 जुलाई तक बढ़ाई गई 'अभय योजना'

- एक ही दिन में कमाए 6 करोड़ 77 लाख
- 6 दिन में 21 करोड़ की कमाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका द्वारा हाऊस टैक्स पर जो ब्याज व विलंब शुल्क है उसको 100 प्रतिशत हटाकर अभय योजना के तहत टैक्स धारकों को जो मौका दिया था उसकी अवधि बढ़ाकर अब 31 जुलाई की गई है। 31 जुलाई तक अभय योजना का लाभ लेने के लिए हाऊस टैक्स भरी जा सकेगी। शनिवार 27 जुलाई 2024 को एक ही दिन में मनपा ने अभय योजना में 6 करोड़ 77 लाख 3 हजार 118 रुपए की कमाई की है। वहीं 22 से 27 जुलाई तक रखी गई अभय योजना में 21 करोड़ की कमाई इन 6 दिनों में महानगरपालिका की हुई है।

ऐसी जानकारी अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी है। अभय योजना को मिल रहे अच्छे प्रतिसाद पर मनपा ने हाऊस टैक्स धारकों के लिए 31 जुलाई तक योजना रखी है।

पार्क में गंदगी के मामले में कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम ने जब अचानक शहर के गोलमैदान इलाके का निरीक्षण किया तो पाया कि वहां काफी गंदगी है. काम में लापरवाही करते पाए जाने पर सफाई कर्मचारी और मुकादम के खिलाफ कार्रवाई की गई है.

गोलमैदान उल्हासनगर शहर का केंद्रीय स्थान है और यह हमेशा व्यस्त रहता है क्योंकि इस मैदान के आसपास महत्वपूर्ण बाजार है। एक समय यहाँ एक विस्तृत मैदान था और बगीचा स्टेडियम की एक विशेषता है। लेकिन उसके बाद गोल मैदान का दुरुपयोग होने लगा और कई इमारतें खड़ी हो गईं। अतः लक्ष्य क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य ही समाप्त हो गया है। शहर के कई सामाजिक संगठनों ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि गोल मैदान का दुरुपयोग हो रहा है और उल्हासनगर मनपा प्रशासन इसकी अनदेखी कर रहा है. सामाजिक संस्था हिराली फाउंडेशन ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने उल्हासनगर मनपा को फटकार लगाई है. उल्हासनगर मनपा कोर्ट को इस संबंध में 29 जुलाई तक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया गया है.

उल्हासनगर के गोल मैदान क्षेत्र में मनपा अधिकारियों की एक टीम का औचक दौरा

इस बीच, उच्च न्यायालय के आदेश के बाद, अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, शहर अभियंता तरूण सेवकानी, वार्ड अधिकारी जेठानंद, सहायक आयुक्त (संपत्ति प्रभाग) नागदिवे, संपत्ति प्रबंधक अलका पवार, पार्क अधीक्षक दीप्ति पवार की एक टीम ने गोल मैदान का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान पार्क में काफी गंदगी पाई गई, जगह-जगह कूड़ा-कचरा, चाय के कप, वेफर पैकेट, पेड़ की शाखाएं पड़ी मिलीं. जब इस बारे में मुकादम से पूछताछ की गई तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया.

उल्हासनगर मनपा की इस टीम के निरीक्षण में गोल ग्राउंड में साफ-सफाई का अभाव, कर्मचारियों पर नियंत्रण की कमी, वरिष्ठों को गुमराह करना, दोषी कर्मचारियों का समर्थन करना प्रथम दृष्टया महाराष्ट्र मनपा अधिनियम की धारा 56 और नियम 3 का उल्लंघन पाया गया। महाराष्ट्र सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1979 और कर्तव्य में लापरवाही के कारण एक नोटिस जारी किया गया है और तुरंत पार्क की नियमित सफाई बनाए रखने का आदेश जारी किया गया है।

■ लापरवाह कर्मचारियों की जानकारी देने की अपील

मनपा में कुछ कर्मचारी काम पर नहीं आते और घर बैठकर वेतन लेते हैं। साथ ही ऐसी भी शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ कर्मचारी अपने स्थान पर रिप्लेसमेंट (डमी) कर्मचारियों को भेज रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में सफाई करने आने वाले कर्मचारियों ने पहचान पत्र लगाए हैं? और देखें कि वही कर्मचारी काम कर रहा है. मनपा के अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर ने कोई भी फर्जी कर्मचारी पाए जाने पर सामान्य प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त को सूचित करने की अपील की है.

नवी मुंबई में 4 मंजिला इमारत गिरने से 3 लोगों की मौत, 2 घायलों को मलबे से निकाला गया

नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला आवासीय इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. शाहबाज गांव में सुबह 4.50 बजे हुई इस घटना के बाद दो घायलों को मलबे से जिंदा बाहर निकाला गया. अधिकारियों ने बताया कि इमारत में दरारें देखने के बाद 52 अन्य निवासियों को समय रहते बाहर नहीं निकाला जाता तो यह त्रासदी और बड़ी हो सकती थी.

उल्हास नदी का जलस्तर घटा, राजमार्ग टूटा

- बदलापुर में जलस्तर 14.70 मीटर

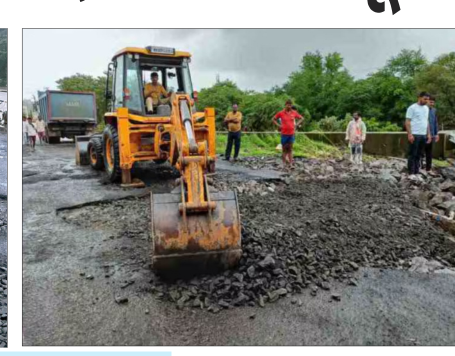

बदलापुर. गुरुवार को खतरे के निशान से ऊपर बह रही उल्हास नदी के जलस्तर में शुक्रवार को कमी देखी गयी. उल्हास नदी का जलस्तर सुबह 14.70 मीटर था. इससे बदलापुर शहर पर बाढ़ का संकट टल गया है. गुरुवार को उल्हास नदी अपने उच्चतम जलस्तर 18.80 मीटर पर पहुंच गई. इससे शहर में बाढ़ की स्थिति बन गयी. हालांकि, गुरुवार को कल्याण-अहमदनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रायते में पुल पर पानी जमा होने के कारण यातायात ठप हो गया था. पानी कम होने के बाद देखा गया कि पुल के पास सड़क का डामर बह गया है. इसलिए यहां यातायात रोक दिया गया है.

बुधवार रात से पुणे, रायगढ़ और ठाणे जिलों में हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार को उल्हास नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया था. बदलापुर शहर से होकर बहने वाली उल्हास नदी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी. गुरुवार दोपहर उल्हास नदी 18.80 मीटर की ऊंचाई पर बह रही थी. इसके कारण बदलापुर पश्चिम के वालीवली, हेंद्रेपाड़ा, रमेशवाड़ी, बदलापुर चौपाटी क्षेत्र, सोनीवली आदि इलाकों में पानी घुस गया। इसके कारण 300 से अधिक नागरिकों को स्थानांतरित करना पड़ा। शाम होने के बाद पानी धीरे-धीरे कम होने लगा। शुक्रवार की सुबह उल्हास नदी अपने मूल जलस्तर से नीचे बह रही थी. सुबह नदी का जलस्तर 14.70 मीटर दर्ज किया गया, जिससे शहर में बाढ़ का खतरा टल गया.

■ रायता ब्रिज पर बह गया डामर, मरम्मत के लिए बंद

कल्याण-अहमदनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रायता पुल पर पानी भर जाने से रास्ता बंद हो गया. शुक्रवार सुबह पानी कम होने के बाद पुल पर गड्ढे हो गए और डामर बह गया। तटबंध टूटने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है. इसलिए इस सड़क को मरम्मत के लिए बंद कर दिया गया था.

अनिल मल्टिस्पेशलिटी अस्पताल का हुआ उद्घाटन

उल्हासनगर। उल्हासनगर-3 स्थित अशोक अनिल टॉकीज के पास नवनिर्मित अनिल मल्टिस्पेशलिटी अस्पताल का भव्य उद्घाटन 25 जुलाई की सुबह वसणशाह दरबार के गादीसर काली साईं व गुरु गुलराज साहब कुटिया की गादीसर श्रीमती कविता सीरवानी के हाथों हुआ।

इस अत्याधुनिक अस्पताल में पूर्व नगरसेवक टोनी सीरवानी की सुपुत्री डॉ. आस्था सीरवानी सहित मुंबई के प्रसिद्ध डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। अस्पताल प्रमुख अनिल कुकरेजा व सीरवानी परिवार को अस्पताल के अनावरण पर शहर के प्रतिष्ठित नागिरकों ने शुभकामनाएं दी। ज्ञात हो कि इस अस्पताल में 24 घंटे सातों दिन सेवा लोगों के लिए उपलब्ध है और यहां पर हर कंपनी का हेल्थ इंश्योरेंस कवर होता है।

कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष शंकर आहुजा को दुबई से मिली धमकी

अवैध ऑनलाईन लॉटरी के खिलाफ करेंगे आंदोलन: महेश सुखरामानी

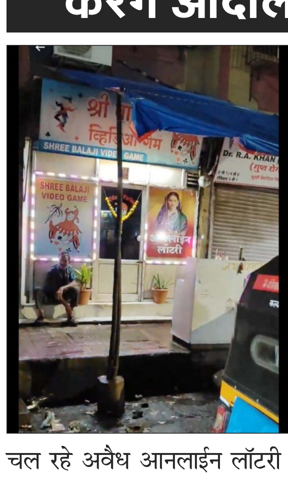

उल्हासनगर. ठाणे जिले में धड़ल्ले से चल रहे अवैध आनलाईन लाटरी के कारोबार में अब गैंगस्टरों ने पैर जमा लिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार इस कारोबार की शिकायत करने वाले कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष शंकर आहुजा के पुत्र को दुबई से किसी गैंगस्टर ने फोन पर धमकी दी है कि जैसे राकेश शेट्टी का हाल किया था तेरे बाप को भी यही हाल करेंगे। इस मामले की शिकायत आहुजा ने अंबरनाथ के शिवाजी नगर पुलिस थाने में लिखाई है। वहीं इस मामले में सिंधी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष महेश सुखरामानी ने पुलिस के आला अधिकारियों को लिखित शिकायत में कहा कि उल्हासनगर व आस पास परिसर में चल रहे अवैध आनलाईन लॉटरी कारोबार से सरकार को भारी नुकसान हो रहा है ऐसे में अगर पुलिस इन पर कार्रवाई नहीं करेगी तो हम उग्र आंदोलन करेंगे।

ज्ञात हो कि अवैध ऑनलाइन लॉटरी का कारोबार डोंबिवली, कल्याण, कोलसेवाडी ,अंबरनाथ, बदलापुर, और उल्हासनगर शहर में विभिन्न ठिकानों चल रहा है। इस समय कोलगांव सर्किल कटाई अंबरनाथ,कटाई पाइपलाइन रोड, फायर ब्रिगेड ऑफिस नेताजी चौक उल्हासनगर 4, 30 सेक्शन उल्हासनगर 4, 3 नंबर भाजी मार्केट, खेमानी कालानी महल के सामने उल्हासनगर 2, कुमार मटन के सामने एक नंबर उल्हासनगर, गोपी माल डोंबिवली वेस्ट, रेड होटल डोंबिवली वेस्ट, गुलशन जूस सेंटर डोंबिवली , साईं दरस बार स्टेशन डोंबिवली वेस्ट, आनंद भवन डोंबिवली वेस्ट, गोकल होटल डोंबिवली वेस्ट, हल्दीराम स्वीट डोंबिवली, टाटा पावर हाउस डोंबिवली ईस्ट, विठ्ठलवाड़ी स्टेशन के पास, शहद स्टेशन स्वयम लॉजिंग बोर्डिंग होटल के नीचे केम्प 1, केम्प एक भाजी मार्केट, उल्हासनगर 2 नेहरू चौक पुराने गुरमीत बार के सामने व उल्हासनगर सहित अन्य कई ठिकानों पर ऑनलाइन लॉटरी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। पुलिस आखिर इन अड्डों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

अंबरनाथ-उल्हासनगर की विद्युत समस्या पर बैठक

अंबरनाथ. अंबरनाथ और उल्हासनगर में महावितरण की बढ़ती समस्याओं को लेकर विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने कल्याण महावितरण के मुख्य कार्यालय में मुख्य अभियंता चिंतामणि मिश्रा के साथ एक बैठक का आयोजन किया. इस बैठक में उपरोक्त दोनों शहरों की बिजली समस्या, लाइट बिल एवं विविध विषयों पर चर्चा की गई. शहर में बार-बार बिजली खंडित हो रही है. खराब ट्रांसफार्मर, विद्युत पोल, विद्युत तारें तुरंत बदली करने के लिए कहा गया है. ये भी शिकायत की गई कि लाइन का बिल भरने की तारीख के बाद लोगों को मिल रहा है, जिसके कारण लोगों को जुर्माना अदा करना पड़ता है. लाइट बिल को समय पर देने की मांग की गई. शहर में बहुत सारे पोल पर के विद्युत तारें लटक रही हैं. दुर्घटना हो सकती है. इन तारों को सीधा करने की मांग की गई. शहरवासी जब महावितरण कार्यालय में बिजली समस्या को लेकर जाते हैं तो अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा दुर्लक्ष किया जाता है. उन पर कार्रवाई करने की मांग विधायक ने की है. महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की शिकायत है कि बार-बार लाइट जाने से शहरवासियों को जलापूर्ति नहीं की जा सकती. विधायक ने सख्त शब्दों में कहा कि मजीप्रा का विद्युत आपूर्ति खंडित ना की जाए. रास्ते पर के पोल को हटाया जाए. अभियंता ने आश्वासन दिया कि लोगों को परेशानी ना हो इस पर ध्यान दिया जा रहा है. हर एक वार्ड में ग्राहकों की समस्या सुनने के लिए बैठक का आयोजन करके उनकी समस्या को दूर किया जाएगा. इस बैठक में राजेंद्र चौधरी, सुभाष सालुंखे, संदीप मांजरेकर, पुरुषोत्तम उगले, सतराम दादा, उमेश गुंजाल, रवि खिलनानी, निशांत पाटिल, शिवसैनिकों के अलावा महावितरण के अधीक्षक अभियंता भोले, प्रवीण चकोले आदि उपस्थित थे.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

उम्मीद का मैदान

पिछले कुछ समय से खेलों की दुनिया में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जो उम्मीद जगाई है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह अपेक्षा होगी कि आज से फ्रांस के पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक में भारत का नाम फिर चमकता हुआ दिखे। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने जैसा दमखम दिखाया, पदक तालिका में देश को एक सम्मानजनक जगह दिलाई, उसने देश के लोगों के भीतर खेलों को लेकर एक नया उमंग भर दिया है। 2020 में टोक्यो में हुए ओलंपिक में भारत ने सात पदक हासिल किए थे। यह ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

जाहिर है, इस बार न केवल देश के लोगों को इससे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद होगी, बल्कि खुद भारतीय खिलाड़ियों का भी लक्ष्य यही होगा कि अपने पदकों की संख्या को कम से कम दस के पार ले जाया जाए। हालांकि ओलंपिक में शामिल होने वाले सभी देश अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन और पदकों पर कब्जा जमाने के मकसद को ध्यान में रखते हुए ही तैयारी करते हैं। मगर हाल के वर्षों में कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार के मद्देनजर काफी संभावनाएं दिख रही हैं। गौरतलब है कि इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से एक सौ सत्रह एथलीट हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इन खिलाड़ियों को यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हौसला किसी भी मैदान में हाथ से छूटती बाजी को लपक लेने का सबसे बड़ा हथियार होता है। पिछले ओलंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने जिस तरह स्वर्ण पदक जीता था, अब इस ओलंपिक में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, तीरंदाजी, कुश्ती, हाकी और बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों से पदक की अपेक्षा की जा सकती है। यह भी देखने की बात होगी कि पिछले साल एक अप्रिय विवाद से गुजरने के बाद कुश्ती में भारतीय खिलाड़ी क्या ला पाते हैं। यह सही है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस सबसे चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में भारत के लिए चुनौती भी बड़ी है। मगर उम्मीद की जानी चाहिए कि अलग-अलग खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने वाले प्रबंधन ने इस स्तर की तैयारी कराई होगी कि पदक तालिका में भारत को एक सम्मानजनक जगह हासिल करने की संभावना बनेगी।

कमजोर प्रदर्शन के कारण समझे भाजपा

हाल के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपेक्षा से कमतर प्रदर्शन को लेकर भाजपा ने गहन मंथन शुरू किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने केंद्रीय नेतृत्व को हार के 15 प्रमुख कारणों से अवगत कराया। भाजपा के ऐसे प्रदर्शन के कई कारण हो सकते हैं, किंतु पार्टी को मूल कारण पर ध्यान देना चाहिए। यहां दो प्रश्न महत्वपूर्ण हैं। एक, क्या चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी नैरेटिव ने नतीजों की तस्वीर पलट दी? दूसरा, क्या समग्र विकास और समावेशी राजनीति के मोदी माडल को दरकिनार कर प्रदेश में अस्मिता राजनीति की वापसी हो रही है?

'सेंटर फार द स्टडी आफ सोसायटी एंड पालिटिक्स' में हमने लोकसभा चुनावों के संदर्भ में उत्तर प्रदेश को लेकर दो अध्ययन किए। पहला अध्ययन जनवरी-मार्च में चुनाव पूर्व तथा दूसरा अप्रैल-जून में प्रत्येक चरण के मतदान के बाद किया गया। चुनाव पूर्व अध्ययन में 61 प्रतिशत उत्तरदाता भाजपा-राजग सरकार और 62 प्रतिशत नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में चाहते थे। इसमें 59 प्रतिशत शहरी और 60 प्रतिशत ग्रामीण मतदाता, 66 प्रतिशत युवा और बेरोजगार, 76 प्रतिशत ओबीसी, 43 प्रतिशत दलित और 21 प्रतिशत पसमांदा मुस्लिम भी मोदी के पक्ष में थे। केवल 14 प्रतिशत मतदाता सपा-कांग्रेस के साथ थे। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी दलों के नैरेटिव ने तस्वीर को काफी बदल दिया।

मतदान पश्चात के आंकड़ों में जहां भाजपा-राजग के समर्थन में 12.5 प्रतिशत की गिरावट आई,

वहीं सपा-कांग्रेस के समर्थन में 29.2 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई, जो 14 प्रतिशत से बढ़कर 43.2 प्रतिशत हो गया। प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकार्यता भी 62 प्रतिशत से घटकर 43 प्रतिशत रह गई। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा-राजग की लोकप्रियता में 10 से 12 प्रतिशत और बेरोजगार युवाओं में उसके समर्थन में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। यह प्रमाण है कि चुनाव प्रचार के दौरान कुछ ऐसा अप्रत्याशित हुआ, जिसने संभावित परिणाम उलट दिया। यदि भाजपा ने इसे समझे बिना संगठन या सरकार के स्तर पर परिवर्तन हेतु कोई निर्णय लिया तो आगामी चुनावों में वह पार्टी के लिए आत्मघाती हो सकता है। सवाल है कि मतदाता की मानसिकता में ऐसा बदलाव हुआ कैसे? कमजोर प्रदर्शन के जिन कारणों का उल्लेख भूपेन्द्र चौधरी कर रहे हैं, उनका मार्च तक तो प्रभाव नहीं दिख रहा था। फिर चुनाव प्रचार में ऐसा क्या हुआ, जिसने मतदाता का मतदान व्यवहार बदल दिया? चुनाव प्रचार की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने 'अबकी बार, चार सौ पार' के नारे से की और संभवतः ऐसा होता भी। कई राज्यों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन से इस नारे के साकार होने के आसार बढ़ते दिखे, मगर कुछ राज्यों समेत उत्तर प्रदेश में यह नारा क्यों पिट गया? यदि भाजपा यूपी में पिछला प्रदर्शन ही दोहरा लेती तो उसे लोकसभा में अपने दम पर ही पूर्ण बहुमत मिल गया होता। प्रतीत होता है कि प्रदेश में चार सौ पार वाले नारे के नाकाम होने के दो कारण रहे। पहला, मोदी या भाजपा नेता जनता को समझाना भूल गए कि उन्हें इतनी सीटें चाहिए क्यों? दूसरा, अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने इस नारे को लपक कर भ्रम फैलाया कि 400 पार करके मोदी बाबा साहेब का संविधान बदल देंगे तथा आरक्षण समाप्त कर देंगे। इसने आरक्षण समर्थक दलितों और पिछड़ों को एक मंच पर लाकर अखिलेश के मृतप्राय 'पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक यानी पीडीए वाले प्रयोग को संजीवनी दे दी। भाजपा का संकल्प-पत्र 'मोदी की गारंटियों' से पटा पड़ा था, लेकिन मोदी यह गारंटी न दे सके कि 'न संविधान बदला जाएगा, न आरक्षण समाप्त होगा।'

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में भी एक गठबंधन के तहत मायावती और अखिलेश साथ आए थे, लेकिन कोई जादू नहीं कर सके। संभव है कि दलित-पिछड़ों को साधने का अखिलेश का नया प्रयोग आगे सिरे न चढ़ पाए, क्योंकि समय के साथ स्थितियां स्पष्ट होती जाएंगी और यह भी किसी से छिपा नहीं कि दलित समाज ओबीसी को भी अपना शोषक मानता है। इसी कारण कांशीराम का 1978 वाला 'बामसेफ' प्रयोग असफल हुआ और सपा-बसपा दो 'सबाल्टर्न' सामाजिक धड़ों की अस्मिता का राजनीतिक प्रतिनिधित्व करने लगे। इसी कारण मायावती और दलित समाज स्वयं को सपा से ज्यादा भाजपा के निकट पाता है।

आइए हम अपने दिलों में शांति का दीया जलायें और उसका प्रकाश दूसरों तक भी फैलायें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अनुभवी राजनेता और बिगड़े बोल

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार को एक विकासपरक सोच वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। खासतौर पर महिलाओं के हित में उनकी सरकार के कुछ काम महत्त्वपूर्ण रहे हैं। मगर पिछले कुछ समय से उनकी जुबान जिस कदर फिसल या लड़खड़ा रही है, उससे हैरानी होती है कि क्या ये वही नीतीश कुमार हैं जिन्हें भारतीय राजनीति में एक शालीन और महिलाओं के हितचिंतक राजनेता के रूप में देखा जाता रहा है!

बुधवार को बिहार विधानसभा में राज्य के संशोधित आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर चल रहे विपक्ष के हंगामे के बीच राष्ट्रीय जनता दल की महिला विधायक रेखा देवी को उन्होंने कह दिया कि 'अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो'! एकबारगी इस तरह का बयान चौंकाने वाला लगता है कि सरकार के मुखिया रहते हुए नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए जिस तरह कई अहम फैसले लिए, उसके बरक्स वे अपने विचार अभिव्यक्त करने वाली एक महिला विधायक को चुप कराने की मंशा से अपमानजनक तरीके से भी संबोधित कर सकते हैं! राज्य और देश की राजनीति में लंबा वक्त देने, एक परिपक्व और सौम्य व्यक्तित्व माने जाने और

महिलाओं के हित में कई कदम उठाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यह क्यों लगता है कि कोई महिला विधायक इसलिए कुछ नहीं जानती है, क्योंकि वह महिला है! हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है कि नीतीश कुमार के मुंह से महिलाओं को अपमानित करने वाली इस तरह की भाषा का प्रयोग सुना गया। इससे पहले विधानसभा में ही अपने वक्तव्य में जनसंख्या नियंत्रण के मसले पर बोलते हुए वे नाहक ही आपत्तिजनक और अवांछित भाषा का इस्तेमाल कर चुके हैं। इसके अलावा, चुनाव और राजनीतिक अभियानों में भी वे अपने प्रतिद्वंद्वी नेता और उनके परिवार के बारे में दुराग्रहपूर्ण बातें बोल चुके हैं। अफसोसनाक यह भी है कि इस तरह की बातें उन्होंने किसी निजी दायरे की बातचीत में नहीं की, बल्कि सार्वजनिक मंचों पर अपने संबोधनों में की। ऐसा बोलते हुए उन्हें शायद एक पल के लिए भी नहीं महसूस हुआ कि उनके ऐसे बोल का संदेश आम जनता और खासकर महिलाओं के बीच कैसा जाएगा और खुद उनके व्यक्तित्व को किस नजरिए से देखा जाएगा!

विडंबना यह है कि हाल के महीनों में नीतीश कुमार के कई बार नाहक ही आपा खोने, कुछ बयानों और हावभाव ने राजनीतिक गलियारों और आम लोगों के बीच गैरजरूरी चर्चाओं को जन्म दिया! इसमें कोई दो राय नहीं कि उनकी सरकार ने तंत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए बिहार में महिलाओं के लिए पचास फीसद तक आरक्षण की व्यवस्था की, स्कूली शिक्षा में लड़कियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए। बिहार में शराबबंदी के पीछे भी उनका मकसद महिलाओं को सामाजिक-पारिवारिक जटिलताओं और हिंसा से बचाना था।

मगर जनकल्याण के सिद्धांतों में विश्वास रखने वाले किसी भी नेता और सरकार का दायित्व होता है कि वह समाज में वंचित तबकों के हित में सोचे और काम करे। अगर नीतीश कुमार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कुछ किया है, तो इसे उनके दायित्व के तौर पर देखा जाना चाहिए। निश्चित रूप से महिलाओं के हक में लिए गए उनकी सरकार के फैसलों को वाजिब अहमियत मिलनी चाहिए, लेकिन अपने ऐसे कामों की गरिमा को कायम रखना खुद उन पर निर्भर करता है।

गधों की मौज, लोग पकड़-पकड़ कर खिला रहे हैं गुलाब जामुन

जरा हट के

एमपी अजब है, बेहद गजब है. यहां के किस्से उतने ही अनोखे और अतरंगी होते हैं. ऐसा ही एक अनोखा मामला मध्य प्रदेश के मंदसौर से सामने आया है. यहां लोग गधों को पकड़-पकड़ कर गुलाब जामुन खिला रहे हैं. वहीं इसके पीछे का कारण भी बेहद अलग है. जिसे सुनकर आप भी चौंक जाएंगे. वैसे तो देश के अलग-अलग कोनों में कई तरह की रीति रिवाज और मान्यताएं चलती रहती हैं.

ऐसी ही मान्यताएं यहां के लोगों नेवी की थी. जिसका पालन करते हुए अब वह गधों को गुलाब जामुन खिला रहे हैं. देशभर में मानसून की ताबड़तोड़ एंट्री होने के साथ ही प्रदेश में भी मानसून पूरी तरह से सक्रिय है. लेकिन, पिछले

कुछ समय से मंदसौर जिले में मानसून की बारिश नहीं हो रही थी. इसके बाद स्थानीय लोगों ने अच्छी बारिश की कामना के साथ गधों से श्मशान में हल चलवाया था और नमक की बुआई की गई थी.

अच्छी बारिश के लिए गधों से चलवाया हल

कामना करने वाले लोगों का कहना था कि यदि मंदसौर शहर में अच्छी बारिश होती है तो वह इन गधों को गुलाब जामुन खिलाएंगे. वहीं अब शहर भर और उसके आसपास के इलाकों में पिछले दो-तीन दिनों से जमकर बारिश हो रही है. मौसम विभाग ने भी अगले कुछ दिन शहर के आसपास के इलाकों में तेज बारिश की उम्मीद जताई है.

कामना पूरी होने पर खिला रहे हैं गुलाब जामुन

मंदसौर के इलाकों में बारिश होने के बाद अब मान्यता का पालन करते हुए लोग गधों को गुलाब जामुन खिला रहे हैं. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग दो गधों को थाली भरकर गुलाब जामुन खिला रहे हैं. वही लोगों का कहना है कि ये वहीं गधे हैं, जिनसे शमशान में हल चलवाया गया था.

हेपेटाइटिस से हो सकता है लिवर फेलियर

जानिए संक्रमण के लक्षण और बचाव के तरीके

लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। हेपेटाइटिस ऐसी ही लिवर की एक संक्रामक बीमारी है। आमतौर पर वायरल संक्रमण के कारण होने वाली हेपेटाइटिस की समस्या लिवर में सूजन का कारण बनती है। ये कई अन्य कारणों जैसे ऑटोइम्यून रोगों की वजह से भी हो सकती है, इस स्थिति में आपका शरीर लिवर के स्वस्थ ऊतकों को क्षति पहुंचाने लगता है।

हेपेटाइटिस मुख्यरूप से पांच प्रकार- हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई का होता है। प्रत्येक प्रकार के वायरल हेपेटाइटिस के लिए एक अलग वायरस जिम्मेदार होता है। कुछ मामलों में, हेपेटाइटिस से लिवर डैमेज, लिवर फेलियर, सिरोसिस, लिवर कैंसर या मृत्यु का भी खतरा हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि वर्तमान में दुनियाभर में 354 मिलियन (35.4 करोड़) से अधिक लोग क्रोनिक हेपेटाइटिस बी और सी से पीड़ित हो सकते हैं।

28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस

हेपेटाइटिस के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और इस रोग से बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। आइए इस रोग के बारे में जानते हैं।

हेपेटाइटिस की समस्या

हेपेटाइटिस ए, बी और सी के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जाते रहे हैं।

हेपेटाइटिस ए- हेपेटाइटिस ए वायरस (HAV) के संक्रमण के कारण होती है। दूषित भोजन या पानी के कारण ये संक्रमण होता है।

हेपेटाइटिस बी की समस्या के लिए हेपेटाइटिस बी वायरस (HBV) को जिम्मेदार माना जाता है। हेपेटाइटिस बी का संक्रमण आमतौर पर अल्पकालिक होता है।

इसी तरह से हेपेटाइटिस सी वायरस (HCV) के कारण हेपेटाइटिस सी संक्रमण होता है। शरीर के तरल पदार्थों जैसे रक्त या वीर्य के संपर्क में आने से ये हो सकता है।

हेपेटाइटिस का क्या इलाज है?

हेपेटाइटिस के प्रकार और संक्रमण की स्थिति के आधार पर उपचार के विकल्प अलग-अलग हो सकते हैं। हेपेटाइटिस ए के लिए आमतौर पर उपचार की आवश्यकता नहीं हो सकती है। अगर आपको उल्टी या दस्त का अनुभव होता है, तो आपका डॉक्टर हाइड्रेशन और पोषण को बनाए रखने की सलाह देते हैं।

एक्यूट हेपेटाइटिस बी के लिए भी कोई विशिष्ट उपचार नहीं है। कुछ लोगों को एंटीवायरल उपचार की आवश्यकता हो सकती है। इसी तरह से हेपेटाइटिस सी में भी एंटीवायरल दवाओं को प्रयोग में लाया जाता है।

हेपेटाइटिस के संक्रमण से कैसे बचें?

ऐसे टीके उपलब्ध हैं जो हेपेटाइटिस वायरस से बचाव में मदद कर सकते हैं। हेपेटाइटिस ए और बी का टीकाकरण जरूरी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी नवजात शिशुओं को हेपेटाइटिस बी के टीके लगाने की सलाह देते हैं। आमतौर पर बचपन के पहले 6 महीनों में तीन टीके लगाए जाते हैं। हेपेटाइटिस बी के खिलाफ टीकाकरण हेपेटाइटिस डी को भी रोक सकता है।

हेपेटाइटिस से बचने का सबसे प्रभावी तरीका स्वच्छता का अभ्यास करना है। साफ पानी और साफ भोजन का ही सेवन किया जाना चाहिए। हेपेटाइटिस बी, सी और डी वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों के कारण भी फैलते हैं, इनसे भी बचाव किया जाना चाहिए।

कैसे जानें कहीं आप भी तो नहीं हैं संक्रमित

- स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, क्रोनिक हेपेटाइटिस जैसे हेपेटाइटिस बी और सी के संक्रमण में आपमें तब तक लक्षण नहीं दिखते हैं जब तक कि ये लिवर को गंभीर रूप से न प्रभावित कर दे। वहीं एक्यूट हेपेटाइटिस की स्थिति में संक्रमण के तुरंत बाद लक्षण दिख सकते हैं।
- आमतौर पर हेपेटाइटिस की स्थिति में थकान, फ्लू जैसे लक्षण, पेशाब का रंग गहरा होने, पीला मल होने, पेट में दर्द, भूख न लगने और अकारण वजन कम होने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। लिवर की समस्याओं के कारण अक्सर त्वचा और आंखों का पीला पड़ने (पीलिया) का खतरा बना रहता है।

लाल माठ लच्छा पराठा

खाना-खजाना

यहां हम आपको ब्रेकफास्ट के लिए लाल माठ लच्छा पराठा बनाने की एक आसान रेसिपी बता रहे हैं। ये रेसिपी शेफ संजीव कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की है, जिसकी मदद से आप बेहद कम समय में अपने लिए हेल्दी एंड टेस्टी ब्रेकफास्ट बनाकर तैयार कर सकते हैं। आइए स्टेप बाय स्टेप जानते हैं स्वाद में लाजवाब इस खास पराठे को बनाने का तरीका-

सामग्री :

- घी
- अजवाइन
- बारीक कटी हरी मिर्च
- बारीक कटा अदरक
- बारीक कटी प्याज
- नमक
- लाल मिर्च पाउडर
- चाट मसाला
- चौलाई या एमरैंथ की पत्तियां
- हरा धनिय
- गेंहू का आटा

विधि :

इसके लिए सबसे पहले एक पैन में एक चम्मच घी डालकर गर्म कर लें। अब, इस पैन में थोड़ी अजवाइन डालकर भून लें। इसके बाद पैन में बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा अदरक, बारीक कटी प्याज, स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला डालकर अच्छी तरह चला लें। सभी मसाले आपस में अच्छी तरह मिल जाने के बाद पैन में साफ धुली और कटी हुई चौलाई यानी एमरैंथ की पत्तियां डालकर चला लें। मसालों और एमरैंथ की पत्तियों के आपस में अच्छी तरह मिल जाने के बाद इन्हें पैन से अलग निकाल लें। अब, इसमें ताजा कटा हुआ हरा धनिया, गेंहू का आटा और पानी डालकर अच्छी तरह गूंथ लें। तैयार आटे को करीब 1 मिनट के लिए ढक्कर ऐसे ही छोड़ दें। तय समय बाद आप आटे से लच्छा पराठा बना सकते हैं। इस तरह आपका झटपट हेल्दी एंड टेस्टी ब्रेकफास्ट बनकर तैयार हो जाएगा।

क्या परेशान कर रहे हैं खटमल?

तो अपनाएं इनको खत्म करने के ये 7 असरदार नुस्खे

खटमल ऐसा कीड़ा है जो अक्सर आपके बेड और सोफे छिपे रहते हैं. ये हर किसी का सोना तक हराम कर देते हैं और अगर काट लें, तो पूरे शरीर पर खुजली होती है. इसके अलावा लाल चकते भी पड़ते हैं. दरअसल, खटमल जो अंडे देते हैं उनकी संख्या काफी तेजी से बढ़ती है. इसलिए इनपर रोक लगाना बहुत जरूरी है. खटमल को भगाने के लिए कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे आप ट्राई कर सकते हैं, जिनसे किसी भी तरह का साइड इफेक्ट्स नहीं होता है.

1. नीम के पत्ते : नीम के पत्तों को पीसकर उसका रस निकाल और खटमलों वाली जगहों के आसपास लगाएं. नीम की स्मेल से खटमलों को भगाने में मदद मिल सकती है.

2. लौंग : लौंग के ताजे

पाउडर को खटमलों के आसपास छिड़कें. इसकी गंध से खटमल दूर भाग जाएंगे.

3. टी-ट्री ऑयल : खटमल तेज स्मेल को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं. इसलिए टी-ट्री ऑयल का यूज करें. इसमें नैचुरल एंटी-माइक्रोबॉयल प्रॉपर्टीज होती है, जो खटमलों से छुटकारा दिलाती है। आप टी-ट्री ऑयल को बोतल में भरकर पर्दे और बिस्तर वाली जगहों पर इसका स्प्रे कर सकते हैं.

4. घरेलू इंडोर इन्सेक्ट स्प्रे : आप घर में उपलब्ध घरेलू इंडोर इन्सेक्ट स्प्रे का यूज कर सकते हैं. यह खटमलों को दूर भगाने में हेल्प करता है.

5. सफाई : घर की रेगुलर साफ-सफाई करने से भी खटमल भाग सकते हैं. इसके अलावा बचा हुआ भोजन भी तुरंत साफ करें और सभी खाली जगहों को ध्यान से साफ करें, क्योंकि खटमल वहां छिपे रहते हैं.

6. बेकिंग सोडा : बिस्तर की दिखने वाली दरारों में, रजाई, गद्दे और खासकर लकड़ी के सामान पर बेकिंग सोडा डालने से भी खटमल गायब हो जाते हैं.

7. हेयर ड्रायर : हेयर ड्रायर लेकर खटमल के होने वाली जगह पर चला दें. इसकी गर्माहट से खटमल मर जाते हैं. अगर इन उपायों को करने के बाद भी खटमल नहीं भाग रहे हैं, तो पेस्ट कंट्रोल कंपनी से संपर्क करें.

चीटियों को किचन से चुटकियों में भगाएं

एक बड़े बर्तन में आप एक गिलास पानी भरें और उसे गैस पर चढ़ा दें. जब इसमें एक उबाल आने लगे तो इसमें संतरे का ढेर सारा छिलका डाल लें. 5 मिनट उबालने के बाद गैस बंद करें और पानी को ठंडा होने दें. जब पानी ठंडा हो जाए तो इसमें एक नींबू को अच्छी तरह निचोड़ दें. अब आप इसमें आधा कप विनेगर यानी सफेद सिरका मिला लें. अब इसमें एक चम्मच काली मिर्च और एक चम्मच नमक डालें. इस तरह इसे 1 घंटे के लिए रख दें. अब आप इस लिक्विड को एक स्प्रे बोतल में छानकर डालें. अंत में इसमें पिपरमिंट ऑयल की कुछ बूंद डाल लें.

इस तरह करें इस्तेमाल

आप इस सॉल्यूशन को जहां पर भी चीटियां आ जाती हैं, वहां स्प्रे कर दें. अगर घर में कॉकरोच या मक्खियां भी आती हैं तो उन जगहों पर भी आप इस सॉल्यूशन से स्प्रे कर दें. आप इसे कपड़े पर छिड़ककर वाइप भी कर सकते हैं. आप इसे फ्रिज में स्टोर करें और इस्तेमाल में लाएं.

पोछे के पानी में मिलाएं नमक और विनेगर

अगर आप लाल चींटियों से छुटकारा पाने चाहती हैं, तो घर को पोछा लगाते समय आप पानी में सफेद विनेगर और नमक मिला सकती हैं. विनेगर की महक चींटियों को पसंद नहीं होती हैं. ऐसे में अगर आप पोछा लगाने में इसका इस्तेमाल करते हैं, तो चीटियां कोसों दूर भागेंगी.

कोने में डालें लाल मिर्च का पेस्ट

अगर बारिश के मौसम में आपके घर पर जरूरत से ज्यादा ही चीटियां लग रही हैं, तो ऐसे में आप पानी में लाल मिर्च पाउडर मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर सकती हैं और इस पेस्ट को घर के उस कोने या जगह पर डालें जहां सबसे ज्यादा चिटियों का बसेरा रहता है. ऐसा करने से चींटियां दूर भागने लगेंगी और आपको राहत मिल जाएगी.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा।

वृषभ : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे। जल्दबाजी से हानि संभव है। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मिथुन : किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें।

सिंह : आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या : यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

तुला : व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

वृश्चिक : थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी।

मकर : व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। अनहोनी होने की आशंका रहेगी।

कुंभ : नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। चिंता रहेगी।

मीन : रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

मां की गोद सो रही मासूम को उठा ले गया भेड़िया

बहराइच. बहराइच के महसी इलाके में भेड़िया का आंतक थम नहीं रहा है। शनिवार भोर मां के पास सो रही डेढ़ वर्षीय बालिका को भेड़िया झपट ले गया। मां के शोर मचाने पर लोग दौड़े। तलाश के दौरान तीन सौ मीटर दूर गन्ने के खेत में बालिका का शव बरामद हो गया है। हरदी थाने के नकवा गांव निवासी राकेश की पत्नी के पास चारपाई पर उसकी डेढ़ वर्षीय बेटी प्रतिमा सो रही थी। शनिवार भोर में लगभग पांच बजे भेड़िया घर में घुसा। मां के बगल सो रही बेटी प्रतिमा को गले से दबोच कर भेड़िया भाग गया। अचानक आंख खुलने पर मां ने शोर मचाया। लोग लाठी-डंडे लेकर दौड़े। लगभग तीन सौ मीटर के फांसले पर गन्ने के खेत में बालिका का क्षत विक्षत शव मिला, तो परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस बल के साथ पहुंचे एसएचओ ने लाश पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

होटल में रुके प्रेमी का फंदे से लटका मिला शव, हत्या-आत्महत्या की गुत्थी में उलझी पुलिस

बुलंदशहर. बुलंदशहर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में प्रेमिका के साथ ठहरे युवक का शव संदिग्ध हालत में बरामद हुआ। मृतक के परिजनों ने युवती पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि मोहल्ला पक्का बाग के रहने वाला 22 साल का तुषार सैनी एक मोबाइल की दुकान पर काम करता था। जानकारी के मुताबिक अलीगढ़ की एक युवती के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। शुक्रवार रात एक होटल में अपनी प्रेमिका के साथ रुका था। जानकारी के मुताबिक युवती अलीगढ़ से सिकंदरा बाद आई हुई थी और दोनों एक होटल में रुके हुए थे। तुषार के ताऊ देवेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार करीब 2 बजे भतीजी ने उसे फोन कर सूचना दी कि तुषार का शव होट में पड़ा हुआ है। सूचना पर वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि युवक का शव बेड पर है और पंखे से एक चादर बंधी हुई है। वहीं, पास में उसकी प्रेमिका भी खड़ी थी।

गोवा के तर्ज पर प्रयागराज में भी चलेगा डबल डेकर क्रूज, खाने-पीने की भी होगी व्यवस्था

प्रयागराज. प्रयागराज में गोवा की तर्ज पर जल्द ही डबल डेकर क्रूज चलेगा। इस पर देशी और विदेशी सैलानी गंगा-यमुना की लहरों पर पर्यटन का लुत्फ ले सकेंगे। दरअसल जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने डबल डेकर क्रूज के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। इस डबल डेकर क्रूज पर सभी सुविधाएं होंगी। जानकारी के मुताबिक इस आराम के लिए कुर्सियां और गद्दे होंगे। साथ ही खाने-पीने का भी इंतजाम होगा। संगट तट आने वाले सैलानी चाहे वह देशी हो या विदेशी, इस क्रूज की बुकिंग करा सकेंगे। यह 40 लोगों की क्षमता वाला होगा। खास बात यह है कि इसकी बुकिंग सुबह से शाम तक और शाम से सुबह तक हो सकेगी। अपने परिवार या दोस्तों के साथ यादगार पार्टी कराना चाहते हैं तो इस क्रूज को बुक करा सकते हैं।

पति ने पत्नी की हत्या कर कुंडी लगाकर भागा

सीतापुर. सीतापुर जिले में पति ने अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से गले पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। उसके सिर पर पहले तेज धारदार हथियार से वार किया उसके बाद उसका गला काट दिया। आरोपी आलाकत्ल के साथ फरार हो गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अपराधिक प्रवृति का था और अवैध शराब के मामले में कई बार जेल जा चुका है। घटना गुडुरूवा देवरिया गांव की है यहां का निवासी राजू पुत्र रामनाथ के घर में शुक्रवार की रात पत्नी से झगड़ा करके सोया था। शुक्रवार की रात ही किसी समय पत्नी संगीता (40) की बांके से गले पर प्रहार कर हत्या कर दी। घर के बाहर से कुंडी मारकर घर से आला कत्ल ले कर मौके से फरार हो गया।

गोल्डी-अशोक समेत 16 कंपनियों के मसाले खाने योग्य नहीं

- सब्जी मसालों में मिले कीड़े और पेस्टिसाइट्स, बिक्री पर रोक लगाई

कानपुर. जिन मसालों को आप खाते हैं, उससे आपकी सेहत बिगड़ रही है। गोल्डी, अशोक, भोला सब्जी मसाले समेत 16 कंपनियों के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। यूपी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) का कहना है- कंपनियों के कई प्रोडक्ट खाने योग्य नहीं हैं।

दरअसल, FSDA के अफसरों ने इसी साल मई में कानपुर में मसालों की कंपनियों पर छापा मारा था। 16 कंपनियों के अलग-अलग मसालों के 35 प्रोडक्ट के सैंपल लेकर जांच के लिए आगरा भेजे थे। इनमें से 23 की रिपोर्ट सामने आई है।

इसमें पेस्टीसाइड और कीटनाशक (इंसेक्टिसाइड) की मात्रा काफी अधिक पाई गई। कीड़े भी मिले हैं। इसके बाद FSDA ने मसालों के इन प्रोडक्ट्स की बिक्री पर रोक लगा दी है। गोल्डी मसाले के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता सलमान खान हैं।

गरम मसाला, बिरयानी और सांभर मसाला में मिली कमी

मसालों की ज्यादातर कंपनियां कानपुर में हैं। FSDA के अफसरों ने कानपुर के दादानगर की शुभम गोल्डी मसाला कंपनी से सैंपल कलेक्ट किए थे। उनमें सांभर मसाला, चाट मसाला और गरम मसाला अनसेफ मिला है। यह कंपनी गोल्डी ब्रांड के लिए प्रोडक्ट बनाती है।

इसी तरह अशोक मसालों की दो कंपनियों के प्रोडक्ट में कमियां मिलीं। इनके प्रोडक्ट- धनिया पाउडर, गरम मसाला और मटर पनीर मसाला खाने योग्य नहीं मिला। इसी तरह भोला मसाले के प्रोडक्ट की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। लोकल लेवल पर बिकने वाली 14 अन्य कंपनियों के प्रोडक्ट में हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। इन कंपनियों के हल्दी पाउडर में भी पेस्टिसाइट्स मिला है।

13 मसाला फैक्ट्रियों पर रेड की गई थी

सहायक खाद्य आयुक्त संजय प्रताप सिंह ने बताया- अशोक, गोल्डी ब्रांडेड मसालों समेत अन्य कंपनियों के 23 नमूनों में कीड़े, दूषित पदार्थ (पेस्टिसाइ) मिला है। MDH और एवरेस्ट मसालों के नमूने फेल होने के बाद शासन के निर्देश पर सैंपल लिए गए थे। खाद्य एवं औषधि विभाग ने मई में अभियान चलाकर शहर की 13 मसाला फैक्ट्रियों पर रेड की थी।

कंपनियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा

उन्होंने बताया- अलग-अलग कारखानों से 35 सब्जी मसालों के नमूने लिए थे। सभी जांच के लिए लैब भेजे गए थे। अब खाद्य विभाग को जिन कंपनियों के मसालों के सैंपल फेल मिले हैं। उनके मालिकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

ममता बनर्जी का माइक बंद करने वाला दावा झूठा?

- निर्मला सीतारमण भड़कीं
- पीआईबी फैक्ट चेक भी आया

नई दिल्ली. क्या नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का माइक बंद कर दिया गया? क्या भाषण के दौरान बीच में ही उन्हें रोक दिया गया? दरअसल, ममता ने आरोप तो यही लगाए हैं। शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की मीटिंग हुई। बंगाल की सीएम बैठक छोड़कर बाहर निकल आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की एकमात्र प्रतिनिधि होने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि 5 मिनट के बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि अन्य मुख्यमंत्रियों को अधिक देर तक बोलने की इजाजत दी गई। हालांकि, केंद्र सरकार की ओर से इन आरोपों को गलत बताया जा रहा है। ममता बनर्जी के आरोपों पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'सीएम बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लिया। हम सभी ने उन्हें सुना। प्रत्येक सीएम को आवंटित समय दिया गया था और उसे स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया था जो हर टेबल के सामने मौजूद थी। मगर, ममता ने मीडिया में कहा कि उनका माइक बंद कर दिया गया था। यह पूरी तरह से झूठ है।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक मुख्यमंत्री को बोलने के लिए उचित समय दिया गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि उनका माइक बंद कर दिया गया था, जो सच नहीं है। उन्हें सच बोलना चाहिए, बजाय फिर से झूठ पर आधारित एक कथा का निर्माण करना चाहिए।'

पीआईबी फैक्ट चेक में क्या कहा गया?

इस बीच, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो फैक्ट चेक का दावा भी सामने आ गया है। इसमें कहा गया कि ममता बनर्जी का आरोप भ्रामक है। यह दावा किया जा रहा है कि 9वीं गवर्निंग काउंसिल के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम का माइक्रोफोन बंद कर दिया गया। PIB की ओर से कहा गया कि इस तरह का दावा भ्रामक है। घड़ी लगी हुई थी जिसमें यह दिखाया कि उनके बोलने का समय समाप्त हो गया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अल्फाबेट के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की बारी लंच के बाद आनी थी। पश्चिम बंगाल सरकार की अपील को देखते हुए उन्हें 7वें स्पीकर के रूप में मौका मिला, क्योंकि उन्हें जल्दी लौटना था।'

गर्लफ्रेंड ने बात नहीं की, उसकी दोस्त को मार डाला

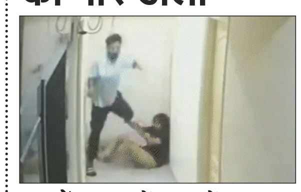

बेंगलुरु. बेंगलुरु में एक 24 साल की लड़की की PG में हत्या कर दी गई। घटना 23 जुलाई की है। इसका CCTV फुटेज भी सामने आया। इसमें देखा जा सकता है कि आरोपी रात 11 बजे लड़की के पीजी पहुंचा। दरवाजा खटखटा कर उसे बाहर निकाला। इसके बाद गैलरी में चाकू से वार किया। आरोपी ने लड़की को दो मिनट के अंदर 20 बार चाकू से गोदा, फिर गला रेत दिया और फरार हो गया। शोर सुनकर पीजी में रह रहीं बाकी लड़कियां बाहर आईं, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। बाद में लड़की ने वहीं दम तोड़ दिया। यह घटना वेंकटरेड्डी लेआउट स्थित भार्गवी स्टेइंग होम्स फॉर लेडीज में घटी। CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। उसने जिस लड़की को मारा उसका नाम कृति है। वह बिहार की रहने वाली थी। पुलिस ने आरोपी को मध्य प्रदेश के भोपाल से अरेस्ट कर लिया।

राहुल गांधी का नया ठिकाना, बंगला नंबर-5

- प्रियंका उनका घर देखने पहुंची
- लोकसभा सदस्यता जाने के बाद पुराना घर छोड़ा था

नई दिल्ली. राहुल गांधी को केंद्र सरकार ने नया बंगला अलॉट किया है। दिल्ली के सुनहरी बाग रोड स्थित बंगला नंबर 5 राहुल का नया आशियाना हो सकता है। 26 जुलाई को राहुल यह बंगला देखने पहुंचे थे। प्रियंका गांधी भी राहुल का यह घर देख चुकी हैं।

लोकसभा में विपक्ष का नेता होने के नाते राहुल को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है। इसलिए उन्हें केंद्र सरकार ने टाइप-8 बंगला ऑफर किया है। इस बंगले में 5 बेडरूम, 1 हॉल, 1 डायनिंग रूम, स्टडी रूम, 1 सर्वेंट क्वार्टर है। सूत्रों के मुताबिक,राहुल को 3-4 बंगलों के ऑप्शन दिए गए थे।

2005 में अलॉट हुआ था 12, तुगलक लेन बंगला

राहुल गांधी 2004 में पहली बार अमेठी से सांसद बने। तब तक वो अपनी मां के साथ 10 जनपथ स्थित बंगले में रहते थे। सांसद बनने पर 2005 में उन्हें पहली बार 12 तुगलक लेन वाला बंगला अलॉट किया गया था। ये दिल्ली के लुटियंस जोन में स्थित टाइप-8 बंगला है, जो हाइएस्ट कैटेगरी है। इस आलीशान बंगले में 5 बेडरूम, 1 हॉल, 1 डायनिंग रूम, 1 स्टडी रूम और सर्वेंट क्वार्टर हैं। राहुल गांधी इस बंगले में एक प्राइवेट गृह प्रवेश के बाद शिफ्ट हुए थे। इस सेरेमनी में सोनिया, प्रियंका, रॉबर्ट समेत उनके करीबी लोग ही शामिल थे। इसकी कोई सार्वजनिक तस्वीर मौजूद नहीं है।

राजस्थान, असम और अरुणाचल में भी अग्निवीरों को आरक्षण

- अब तक 10 राज्यों ने रिजर्वेशन देने की घोषणा की; सेंट्रल फोर्स में भी छूट

नई दिल्ली. राजस्थान, असम और अरुणाचल प्रदेश में भी अब अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में आरक्षण देने का ऐलान किया है। तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शनिवार को इसकी घोषणा की। 26 जुलाई को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, गुजरात और छत्तीसगढ़ की सरकारों ने आरक्षण देने की घोषणा की थी।

22 जुलाई को हरियाणा और उत्तराखंड की सरकार भी अग्निवीरों को आरक्षण देने का ऐलान कर चुकी है। इस तरह अब तक 10 राज्य ऐसी घोषणा कर चुके हैं। इससे पहले दो साल पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी BSF, CRPF, ITBP, SSB और CISF में अग्निवीरों को 10% आरक्षण देने की घोषणा की थी।

विपक्ष ने अग्निपथ योजना बंद करने की मांग की

सेना में अग्निपथ योजना के जरिए अग्निवीरों की भर्ती को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच टकराव चल रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे बंद करने की मांग की है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा कि INDIA गठबंधन की सरकार में इस योजना को बंद कर दिया जाएगा।

सरकार ने 2022 में अग्निपथ स्कीम लॉन्च की थी। इसके तहत आर्मी, नेवी और एयर फोर्स में चार साल के लिए नौजवानों को कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती किया जाता है। 4 साल में छह महीने की ट्रेनिंग भी शामिल है। चार साल बाद अग्निवीरों को उनकी कार्यक्षमता के आधार पर रेटिंग दी जाएगी। इसी मेरिट के आधार पर 25% अग्निवीरों को परमानेंट सर्विस में लिया जाएगा। बाकी लोग वापस सिविल दुनिया में आ जाएंगे।

इस स्कीम में ऑफिसर रैंक के नीचे के सैनिकों की भर्ती होगी। यानी इनकी रैंक पर्सनल बिलो ऑफिसर रैंक यानी PBOR के तौर पर होगी। इन सैनिकों की रैंक सेना में अभी होने वाली कमीशंड ऑफिसर और नॉन-कमीशंड ऑफिसर की नियुक्ति से अलग होगी। साल में दो बार रैली के जरिए भर्ती की जाएगी।

अग्निवीर बनने के लिए 17.5 साल से 21 साल का होना जरूरी है। साथ ही कम से कम 10वीं पास होना जरूरी है। 10वीं पास भर्ती होने वाले अग्निवीरों को 4 साल की सेवा पूरी करने के बाद 12वीं के समकक्ष सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एनकाउंटर, 1 जवान शहीद

जम्मू. जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में शनिवार सुबह एनकाउंटर में राइफलमैन मोहित राठौर शहीद हो गए, जबकि मेजर समेत 4 जवान घायल हैं। मुठभेड़ माछिल सेक्टर के पास जंगल एरिया में हुई। इसमें एक पाकिस्तानी आतंकी के मारे जाने की खबर है। न्यूज एजेंसी ANI ने रक्षा विभाग के सूत्रों के हवाले से बताया- पाकिस्तानी बॉर्डर एक्शन टीम (BAT) आतंकियों की घुसपैठ करा रहा था। BAT के साथ SSG कमांडो और पाकिस्तानी सेना के सैनिक आतंकवादी संगठनों के साथ आतंकियों को कश्मीर भेज रहे थे।

सुरक्षाबलों को कुपवाड़ा के कमकारी इलाके में इनकी खबर मिली। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग कर दी। हमले के बाद आतंकियों के जंगल में भागने की आशंका है। सुरक्षाबल जंगल में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

यह हमला कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के एक दिन बाद हुआ है।

पुणे पोर्श केस में 900 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

- नाबालिग का नाम नहीं
- 7 आरोपियों के खिलाफ 50 गवाहों के बयान

पुणे. पुणे पोर्श केस में पुलिस ने करीब दो महीने बाद 900 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। सेशन कोर्ट में गुरुवार को दाखिल किए गए 900 पेज की चार्जशीट में 17 साल के नाबालिग आरोपी का नाम शामिल नहीं किया गया है। नाबालिग का मामला जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (JJB) के सामने है।

वहीं, 7 आरोपियों के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र रचने और साक्ष्य मिटाने से संबंधित धाराओं के तहत आरोपी बनाया गया है। इनमें नाबालिग के माता-पिता, ससून जनरल अस्पताल के दो डॉक्टर और एक कर्मचारी और दो बिचौलिए शामिल हैं।

आरोपी ने 18-19 मई की रात पुणे के कल्याणी नगर इलाके में IT सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पोर्श स्पोर्ट्स कार चला रहा था।

भारत 9वीं बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में

- गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 80 रन पर रोका
- भारतीय ओपनर्स ने 11 ओवर में जिताया

भारतीय महिला टीम ने एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। टीम 9वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम ने शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश पर 10 विकेट की जीत हासिल की। फाइनल में भारत का सामना 28 जुलाई को श्रीलंका और पाकिस्तान की विजेता से होगा।

दांबुला में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर महज 80 रन ही बना सकी। 81 रनों का टारगेट भारतीय ओपनर्स ने सिर्फ 11 ओवर में चेज कर लिया। स्मृति मंधाना ने 55 और शेफाली वर्मा ने 26 रनों का योगदान दिया। इससे पहले गेंदबाजी में रेणुका सिंह ठाकुर और राधा यादव ने 3-3 विकेट चटकाए। पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

इंडिया और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा खिताबी मैच

टीम इंडिया ने बांग्लादेश और श्रीलंका ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हराया और फाइनल का टिकट प्राप्त किया। दोनों सेमीफाइनल एक ही दिन हुए। उस समय तक फाइनल की टाइमिंग शाम को सात बजे थी, लेकिन अब इस फाइनल मैच की टाइमिंग में बदलाव हुआ है। मैच अब शाम सात बजे की बजाय दोपहर 3 बजे से खेला जाएगा। भारत में भी उस समय मैच शुरू होगा, क्योंकि दोनों देशों का टाइम एक ही है।

Women's Asia Cup final की टाइमिंग में बदलाव इसलिए करना पड़ा है, क्योंकि भारत और श्रीलंका की मेंस टीम के बीच दूसरा टी20 मैच उसी समय खेला जाएगा। ऐसे में दोनों मैच टकरा रहे थे और इससे निश्चित तौर पर ब्रॉडकास्टर्स को नुकसान होता। यही कारण है कि एशिया कप को एकाएक प्रीपोन करना पड़ा है, जो दांबुला में खेला जाएगा।

धनबाद के तालाब से बोरी में मोबाइल मिले

धनबाद. NEET पेपर लीक केस की जांच कर रही CBI की टीम ने शुक्रवार को धनबाद से एक और गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार होने वाले शख्स का नाम पवन है। वह पेशे से कार ड्राइवर है। CBI ने पवन को धनबाद की कंबाइंड बिल्डिंग के पास से गिरफ्तार किया है।

पवन से पूछताछ के बाद CBI ने शहीद गुरुदास चटर्जी फुटबॉल मैदान के पास भाटबांध तालाब पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से CBI ने यहां से एक प्लास्टिक की बोरी से एक दर्जन टूटे हुए मोबाइल, दो इंसुलेटर और गले हुए कई डॉक्यूमेंट्स बरामद किए हैं।

रेल की भीड़ को कहेंगे टाटा! सरकार का बड़ा प्लान

- केंद्रीय मंत्री ने संसद में बताया

नई दिल्ली. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को संसद में रेलवे यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने कहा कि रेलवे के पास 10,000 नॉन-एसी सवारी डिब्बों के मैन्युफैक्चरिंग की योजना है। उन्होंने कहा कि मेल व एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना संबंधी मौजूदा नीति के तहत 22 डिब्बों की रेलगाड़ी होती है। इसमें सामान्य और स्लीपर कैटेगरी के 12 गैर-वातानुकूलित डिब्बों और 8 वातानुकूलित डिब्बों का प्रावधान है। वैष्णव ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'कोविड महामारी के कारण 2019 से 2024 के बीच यात्री यातायात में काफी भिन्नता थी। बहरहाल, भारतीय रेल अलग-अलग बनावट के साथ विभिन्न प्रकार की नियमित समय-सारणी वाली रेलगाड़ियों को ऑपरेट करता है। इनमें उपनगरीय कम दूरी की पैसेंजर गाड़ियां, लंबी दूरी/मेल एक्सप्रेस/सुपरफास्ट गाड़ियां शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि मौजूदा नीति के तहत मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना के संबंध में 22 डिब्बों की गाड़ियां हैं। इनमें 12 सामान्य और स्लीपर श्रेणी के गैर-वातानुकूलित रेलडिब्बों और 8 एसी वाली बोगियों का प्रावधान है। इससे सामान्य और नॉन-एसी स्लीपर कोच के यात्रियों को अधिक स्थान मिलता है।

ट्रेन में दो-तिहाई नॉन-एसी बोगियां

केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि इस समय रेलगाड़ी सेवाओं के परिचालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल सवारी डिब्बों में से दो-तिहाई नॉन-एसी और एक-तिहाई वातानुकूलित हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल ने अमृत भारत रेलगाड़ी सेवाओं का परिचालन भी शुरू कर दिया है जो यात्रियों को उच्च गुणवता वाली सेवाएं प्रदान करने वाली पूर्ण रूप से गैर-वातानुकूलित रेलगाड़ियां हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई मांग को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने जरूरी कदम उठाए हैं। सामान्य और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 10,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना है।

जल्द ही स्पेस स्टेशन में चहलकदमी करने वाला है भारत का गगनयात्री

नई दिल्ली. भारत के अंतरिक्ष मिशन को लेकर एक बड़ी बात साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में कहा कि इसरा का गगनयात्री जल्द ही अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) का सफर करने वाला है। लोकसभा में एक लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अमेरिकी का अंतरिक्ष एजेंसी NASA के साथ मिलकर मिशन लॉन्च करने वाला है। इस मिशन में भारत का एक अंतरिक्षयात्री भी जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी अगस्त में अंतरिक्षयात्री को भेजा जा सकता है।

बता दें कि यह नासा, एक प्राइवेट कंपनी और इसरो के बीच का एक संयुक्त मिशन है। Axiom Space नाम की कंपनी के साथ इसरो ने भी समझौता किया है। जानकारी के मुताबिक अगस्त के महीने में ही यह मिशन फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। बता दें कि इसरो पहले से ही एयरफोर्स से चुने गए चार अंतरिक्षयात्रियों को मिशन गगनयान की ट्रेनिंग दे रहा है। इंटरनेशल स्पेस स्टेशन में जाने वाला अंतरिक्षयात्री उनमें से ही एक होगा।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि जिन चार पायलटों को मिशन गगनयान के लिए चुना गया था उन्हें अंतरिक्ष यात्रा की ट्रनिंग दी गई है। फिलहालल उनकी ट्रेनिंग अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र में चल रही है। गगनयान मिशन के भी दो चरणों की तैयारी पूरी हो चुकी है। जिस रॉकेट से गगनयान को लॉन्च किया जाएगा उसका भी निर्माण कार्य चल रहा है। बता दें कि लोकसभा में टीएमसी सांसद सौगत राय ने अंतरिक्ष मिशन को लेकर सवाल पूछा था।

बता दें कि इसरो गगनयान प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहा है। इस मिशन के तहत भारत के तीन अंतरिक्षयात्रियों को स्पेस में भेजा जाएगा। अंतरिक्षयात्रियों का चयन करके उनकी ट्रेनिंग करवाई जा रही है। उम्मीद है कि 2025 में यह मिशन लॉन्च होगा। गगनयान पृथ्वी की 400 किलोमीटर की कक्षा में तीन दिन तक चक्कर लगाएगा और इसके बाद इसे सुरक्षित पृथ्वी पर उतारा जाएगा। भारत पहले भी चंद्रयान और मंगलयान मिशन के जरिए दुनियाभर को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लोहा मनवा चुका है। वहीं गगनयान मिशन भारत उन गिनेचुने देशों की पंक्ति में खड़ा कर देगा जो कि इंसान को अंतरिक्ष में भेजने में कामयाब हुए हैं।

आम सूचना

श्री भीष्म शंकरलाल नागरानी व श्रीमती सिमरन भीष्म नागरानी इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित कर रहे हैं कि हमने रुम नं. 9, ब्लॉक नं. ए-2, सी ब्लॉक रोड, उल्हासनगर- 421001, क्षेत्रफल 111 स्क्वायर यार्ड है। (टैक्स नं. 09एआय015049000) इस जायदाद के बिक्री का सौदा श्री रामाश्रेय दासाई पांडे से किया है।

अगर उपरोक्त जायदाद के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि हो तो अथवा किसी भी व्यक्ति या संस्था/बैंक को ऐसे दूसरे किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 14 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त इमारत के रिडेवलपमेंट की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
श्री भीष्म शंकरलाल नागरानी व श्रीमती सिमरन भीष्म नागरानी
भोलेनाथ बंगलो, माया गैस के सामने,
बैरक नं. 422, रुम नं. 1/2, उल्हासनगर-421001.
फोनः 7039555888

संक्षेप...

6 वर्षीय बालक की हत्या आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. मुंबई नासिक महामार्ग स्थित हाइवे दिवे गांव निवासी बालक सुधीर विष्णु पवार (6) की गला दबाकर हत्या करने के मामले में नारपोली पुलिस ने उसके रिश्तेदार को कन्नड़ जिले के संभाजीनगर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है. आरोपी अमोल चव्हाण ने इमारत के छत पर उसका गला दबाकर हत्या कर दी. परिजनों ने तलाश के बाद छत पर करीब बेहोशी की हालत में पड़े हुए सुधीर को कलवा अस्पताल में भर्ती कराया गया था.जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया और शव विच्छेदन के लिए भेज दिया था. पुलिस ने उक्त मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया था.

कोर्ट ने जिसे तड़ीपार किया वो आज गृहमंत्री - शरद पवार

मुंबई. NCP (एसपी) नेता शरद पवार ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। पवार ने कहा- कुछ दिनों पहले गृह मंत्री ने मेरे खिलाफ कुछ बातें कहीं। उन्हें मैं याद दिला दूं कि आज जो आदमी देश का गृह मंत्री है, वह ऐसा व्यक्ति है जिसने गुजरात के कानून का दुरुपयोग किया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तड़ीपार (राज्य से बाहर) कर दिया था।

अमित शाह को 2010 में सोहराबुद्दीन शेख फर्जी एनकाउंटर मामले में दो साल के लिए राज्य से बाहर कर दिया गया था। बाद में उन्हें 2014 में इस मामले में बरी कर दिया गया। पवार ने इसी को लेकर शाह पर टिप्पणी की।

दरअसल, 21 जुलाई को पुणे में अमित शाह भाजपा के कार्यक्रम में शमिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि विपक्ष हम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहा है, लेकिन भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े

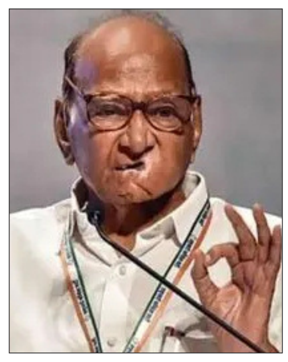

सरगना शरद पवार हैं। अगर देश में किसी भी सरकार में किसी राजनेता ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया है, तो वह शरद पवार हैं और मुझे इस बारे में बिल्कुल भी संदेह नहीं है।

महाराष्ट्र में सियासी हलचल बढ़ी, इसी साल होना है विधानसभा चुनाव

महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी की असल वजह आगामी विधानसभा चुनाव हैं। महाराष्ट्र सहित देश के 4 राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होंगे। 14 दिन पहले महाराष्ट्र में विधान परिषद (MLC) के चुनाव हुए थे। NDA को जबर्दस्त जीत मिली थी। गठबंधन ने 11 में से 9 सीटें जीतीं थीं। वहीं INDIA गठबंधन के तीन प्रत्याशी खड़े थे, जिनमें 2 ही जीत सके। कांग्रेस के 7 से 8 विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की खबर थी।

मनपा की धोखादायक इमारत की गई खाली

भिवंडी. भिवंडी मनपा मुख्यालय इमारत के पीछे स्थित पुरानी इमारत धोकादायक होने से कर्मचारियों की सुरक्षा की खातिर खाली कराया गया है. मनपा प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य ने बांधकाम विभाग को इमारत रिपेरिंग की खातिर शीघ्र जरूरी कदम उठाने को दिए हैं.

भिवंडी शहर में पिछले 5 दिनों से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है. पुरानी इमारत जर्जर होने से दीवालों के प्लास्टर आदि टूट कर बिखर गए हैं. बरसात में सभी मंजिलों पर छत से टपक कर पानी भर गया था.इमारत में कार्यरत मनपा कर्मचारियों की शिकायत के बाद अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके व उपायुक्त मुख्यालय नयना सासणे ने पुरानी इमारत का दौरा कर आयुक्त अजय वैद्य को अवगत कराया जिसके बाद तत्काल इमारत खाली करने के लिए निर्देश दिया गया.मनपा सूत्रों के अनुसार, इमारत में 8 विभाग संचालित है.प्रभाग समिति क्रमांक 1 व 2 का कार्यालय, जन्म मृत्यू विभाग, भविष्य निवाह निधि कार्यालय, एलबीटी विभाग,भंडारण कार्यालय, परवाना विभाग, मार्केट विभाग, युनियन कार्यालय आदि का समावेश है.इमारत स्थित विभागों में लगभग 250 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है जो इसी धोखादायक इमारत में जान जोखिम में डालकर विगत कई वर्ष से काम कर रहे थे.इमारत खाली कराने के बाद प्रशासन ने अभी तक विभागों को लेकर कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की है.कर्मचारियों को मनपा मुख्यालय के नई इमारत में खाली पड़े कैंटीन में बैठने को कहा गया है जहां जगह नहीं के बराबर नाकाफी है.

मनपा क्षेत्र में 1311 इमारतें धोखादायक

विदित हो कि, भिवंडी मनपा क्षेत्र अंतर्गत 1311 इमारतें धोखादायक है. प्रभाग समिति क्रमांक 1 अंतर्गत खतरनाक 125 इमारत में से सी-1 वर्ग की 32 इमारतें, सी -2 वर्ग की 17, सी-2 बी वर्ग की 66 और सी -3 वर्ग की 10 इमारतों का समावेश है. प्रभाग समिति क्रमांक 2 अंतर्गत 310 इमारतें खतरनाक इमारतों में सी -1वर्ग की 41 इमारतें, सी -2 वर्ग की 195, सी-2 बी वर्ग की 70 और सी -3 वर्ग की 4 इमारतें हैं. प्रभाग समिति क्रमांक 3 अंतर्गत 234 इमारतें खतरनाक इमारतों में सी-1 वर्ग की 60 इमारतें, सी -2 वर्ग की 42,सी-2 बी वर्ग की 99 और सी -3 वर्ग की 33 इमारतों का समावेश है. प्रभाग समिति क्रमांक 4 अंतर्गत 284 खतरनाक इमारत में सी-1 वर्ग की 84 इमारतें, सी -2 वर्ग की 199, सी-2 बी वर्ग की 89 और सी -3 वर्ग की 01 इमारत है.मनपा प्रभाग समिति 5 पांच अंतर्गत सबसे ज्यादा 358 इमारतें खतरनाक इमारतों में सी-1 वर्ग की 80 इमारतें, सी -2 वर्ग की 118, सी-2 बी वर्ग की 158 और सी -3 वर्ग की 02 इमारतों का समावेश है.

छत्रपति शिवाजी का बाघनख लंदन से लाया गया भारत

- **इतिहासकार बोले- असली नहीं, ये ब्रिटेन से लाई गई बाघनख की रेप्लिका है**

मुंबई. ब्रिटेन के विक्टोरिया और अल्बर्ट (V&A) म्यूजियम से बुधवार (17 जुलाई) को छत्रपति शिवाजी का बाघनख हथियार मुंबई लाया गया। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बाघनख को 19 जुलाई से सातारा

के छत्रपति शिवाजी म्यूजियम में 7 महीने तक प्रदर्शनी में रखा जाएगा।

मुनगंटीवार ने पिछले हफ्ते विधानसभा में कहा था कि बाघनख का प्रयोग छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा किया जाता था। उनकी टिप्पणी एक इतिहासकार के दावे पर थी, जिसमें कहा गया है कि छत्रपति शिवाजी ने सन 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान को बाघनख से मारा था। ये पहले से ही सतारा में था।

बाघनख के बारे में यह मशहूर है कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज का था। 1659 की लड़ाई के दौरान शिवाजी महाराज धातु के पंजे या बाघनख को अपने हाथ में छुपाए हुए थे। इसी से उन्होंने अफजल खान की आंतें बाहर निकाल दी थीं।

क्या यही है शिवाजी का असली बाघनख?

सरकार दावा कर रही है कि शिवाजी ने अफजल खान को इसी बाघनख से मारा था। वहीं, दूसरी ओर एक वर्ग इस बात से सहमत नहीं है। इन्हीं से एक हैं मराठी इतिहासकार इंद्रजीत सावंत। मराठा इतिहास के गहन अध्येता इंद्रजीत सावंत ने शिवाजी महाराज पर गहन शोध किया है।

ये बाघनख तो एक रेप्लिका है: सावंत

बाघनख के विवाद पर इतिहासकार इंद्रजीत सावंत कहते हैं- 'देखिए, मैं आपको बता रहा हूं कि सच नहीं बदल जा सकता। जब हम इतिहास पढ़ते हैं तो मूल यानी प्राथमिक दस्तावेज-साक्ष्य अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। महाराष्ट्र सरकार सतारा में जो बाघनख लेकर आई है, उसके बारे में उपलब्ध सभी दस्तावेज बताते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अफजल खान को इस बाघ से नहीं मारा था। ये बाघनख ब्रिटेन से लाई गई रेप्लिका है।

महेश डाइंग पर हुई दुबारा एफआईआर

- **ठोंका 1 लाख 4 हजार रुपए का आर्थिक दंड**

भिवंडी. मनपा प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य के आदेशानुसार जलापूर्ति विभाग प्रभारी कार्यकारी जलापूर्ति अभियंता संदीप पटनावर की टीम अवैध नल कनेक्शन खंडित करने व बगैर मंजूरी अवैध रूप से पानी की लाइन डालकर बावड़ी,नालों से पानी आपूर्ति कर रहे कपड़ा डाइंग,यार्न डाइंग आदि के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर पानी सप्लाई बंद कर रही है.जलापूर्ति विभाग के

सख्त एक्शन से मनपा राजस्व की चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है.

मनपा प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, जलापूर्ति विभाग ने समद नगर कनेरी स्थित महेश डाइंग कंपनी व्यवस्थापन को मनपा से बगैर मंजूरी लिए अवैध रूप से नाले में पाइप लाइन बिछाकर जलापूर्ति करते हुए करीब 1 माह पूर्व पकड़ा था. जलापूर्ति विभाग सतर्कता टीम प्रमुख विराज भोईर की टीम ने सख्त एक्शन लेते हुए कपड़ा डाइंग को जलापूर्ति करने वाले तमाम अवैध नल कनेक्शन को खंडित कर कंपनी मैनेजर सुरेश पटेल के खिलाफ शहर पुलिस स्टेशन में पानी चोरी की शिकायत दाखिल की थी.जलापूर्ति विभाग की सख्त कार्रवाई के बाद भी डाइंग कंपनी मालिक सुरेश पटेल ने दबंगई दिखाते हुए दुबारा अनधिकृत पाइप लाइन बिछा लिया था. जानकारी मिलते ही जलापूर्ति विभाग कार्यकारी अभियंता संदीप पटनवार, उप अभियंता सरफराज अंसारी के मार्गदर्शन में विराज भोईर,सायरा अंसारी की टीम ने दुबारा महेश डाइंग के सभी अवैध नल कनेक्शन को खंडित पर पाइप लाइन जब्त कर लिया.जलापूर्ति विभाग द्वारा कपड़ा डाइंग मालिक सुरेश पटेल के खिलाफ 1लाख 4 हजार 80 रुपए आर्थिक दंड ठोंकते हुए मनपा राजस्व नुकसान का आपराधिक मामला दाखिल कराया है.शहर पुलिस ने महेश डाइंग कंपनी मालिक पटेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता कलम 324(4), 326(ग), 326 (ख),272 के तहत मामला दर्ज किया है.

कांग्रेस का मनपा के खिलाफ जन आक्रोश आन्दोलन

भिवंडी. भिवंडी शहर की खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत,शहर सफाई की मांग को लेकर भिवंडी कांग्रेस पार्टी जिलाध्यक्ष एड रशीद ताहिर मोमिन की अगुवाई में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने मनपा मुख्यालय का घेराव किया और आयुक्त से खराब सड़कों की मरम्मत सहित शहर में साफ सफाई कराने की मांग की. मुख्यालय गेट के सामने खड़े सैकड़ों कांग्रेसियों ने आयुक्त अजय वैद्य के खिलाफ नारेबाजी कर मुर्दाबाद के नारे लगाकर विरोध जताया. कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का आन्दोलन नदीनाका मेट्रो होटल के सामने से निकाला गया जो वंजारपट्टी नाका, भिवंडी एसटी बस डिपों होते हुए मनपा मुख्यालय तक पैदल मार्च करते हुए पहुंचा था.एड रशीद ताहिर मोमिन ने मनपा प्रशासक की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, शहर की अधिकांश सड़कें बदहाल हो चुकी हैं. गड्डों से भरी सड़कों पर पैदल चलना जानलेवा साबित हो रहा है.सड़कों पर बड़े बड़े गड्ढे है.बच्चों को स्कूल एवम मरीजों को अस्पताल जाने जाने में गड्ढों में होकर जाना पड़ता है.सड़कें खस्ताहाल होने के कारण यातायात जाम की समस्या भी पैदा हो रही है.नाली व गटर की सफाई न होने से बारिश का पानी सड़कों पर बहता रहता है.शहर में चारों तरफ गंदगी होने से लोगों को स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं है. मनपा गड्ढों को केवल मिट्टी, पत्थर डालकर मरम्मत कर लीपापोती कर भ्रष्टाचार कर रही है. सड़क पर और गंदगी, मिट्टी फैल रही है.आन्दोलनकारियों ने आयुक्त अजय वैद्य के खिलाफ मुर्दाबाद के भी नारे लगाऐ तथा सड़क मरम्मत कर रहे ठेकेदार के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की.

सड़कों का दुरुस्तीकरण करने का आयुक्त ने दिया निर्देश

ठाणे. ठाणे शहर में चल रहे सभी सड़कों के दुरुस्तीकरण काम का संबंधित अधिकारियों के साथ दौरा कर लिया जायजा।बरसात के मौसम में मनपा क्षेत्र के अंतर्गत सभी सड़कों पर गड्डों को लेकर मनपा हमेशा सुर्खियों में रहती है।इस विषय को मनपा आयुक्त सौरभ राव ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित सभी विभागों को आड़े हाथों लेते हुए दुरुस्तीकरण जल्द से जल्द करने के लिए निर्देश दिया था।मनपा आयुक्त राव ने सड़कों

पर गड्डों को बंद करने से पहले अच्छे से सफाई कर मास्टिक पद्धति से मनपा, मेट्रो प्राधिकरण, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, एमएमआरडीए के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया था।

इस दौरे में अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, नगरअभियंता प्रशांत सोनाग्रा, यातायात उपायुक्त विनयकुमार राठोड, एमएमआरडीए मेट्रो कोऑर्डिनेटर जयवंत ढाणे, कार्यकारी अभियंता शेवाले, महाले, सार्वजनिक बांधकाम विभाग के कार्यकारी सुनील पाटील, शाखा अभियंता परदेशी सहित ठाणे मनपा उपनगर अभियंता सुधीर गायकवाड, कार्यकारी अभियंता संजय कदम, प्रकाश खडतरे, जवलकर आदि उपस्थित थे।मनपा क्षेत्र के अंतर्गत कई दिनों से लगातार मूसलाधार बरसात के कारण सड़कों पर गड्ढे हो गये है।सड़कों पर गड्डों को एक समान भरने के लिए आयुक्त ने निर्देश दिया।गटरों को सफाई कर कचरे को सड़क पर से तत्काल हटाने के लिए कहा। शहर के विविध जगहों के जंक्शन के रास्तों की हालात खस्ता हुआ है।इस तरह के सड़कों को पैचवर्क के पद्धति से करने के लिए आदेश आयुक्त राव ने दिया।

आम सूचना

मैं श्री मदन अभयराज चौहान सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, एमआयडीसी टैंक, धोबीघाट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 04एओ017856000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री बासुदेव अभयराज चौहान के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 23.7.2024 सी.नं. 3414/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मदन अभयराज चौहान

आम सूचना

मैं श्री जगदीश हरी माखीजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि बैरक नं. 198, रुम नं. 7 और 8, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 17एआय021479400) उक्त प्रॉपर्टी श्री हरीराम किशिनचंद माखीजा अन्य दो जनों के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 26.7.2024 सी.नं. 561/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जगदीश हरी माखीजा

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
उल्हास वि NEWS

परिणीति ने शेयर की क्रिप्टिक पोस्ट

- **फैंस को दी नसीहत- 'टॉक्सिक लोगों से दूर रहें, दुनिया क्या सोचेगी इसकी परवाह करना बंद करें'**

परिणीति चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक वीडियो पोस्ट कर फैंस को टॉक्सिक लोगों से दूर रहने की सलाह दी है। इस वीडियो में परिणीति बोट पर बैठी हुई कुछ सोच रही हैं। इसके साथ ही परिणीति ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक किताब के पन्ने पर लिखी लाइन की फोटो शेयर की है जिसमें लिखा है- 'एक ही साल को 75 बार जीकर इसे जिंदगी कहना बंद करो'।

वीडियो शेयर करते हुए परिणीति ने कैप्शन में लिखा, 'इस महीने, मैंने कुछ समय रुककर जिंदगी पर विचार किया और इससे मुझे समझ आया कि माइंडसेट ही सब कुछ है। महत्वहीन चीजों (या लोगों) को महत्व न दें। एक भी सेकंड बर्बाद मत करो। जिंदगी एक टिक-टिक करती घड़ी है। हर पल आपकी पसंद का होना चाहिए।। दूसरों को खुश करने के लिए जीना बंद करें! जब आप दूसरों की राय से डरते हैं, तो आप अपनी जिंदगी जीना बंद कर देते हैं और आपके आखिरी दिन पर इससे बड़ा कोई पछतावा नहीं होगा।'

परिणीति ने आगे लिखा- 'अपने लोगों को खोजें। टॉक्सिक लोगों को अपने जीवन से बाहर निकालने से न डरें। दुनिया क्या सोचेगी इसकी परवाह करना बंद करें। खुद को और अपने लोगों को खुश रखें। चीजों के प्रति अपनी प्रतिक्रियाएं बदलें। यही खुशी की चाबी है। जीवन सीमित है। इसे वैसे जियो जैसे तुम इसे जीना चाहते हो।'

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
उल्हास वि NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you

Pageviews yesterday	2,763
Pageviews last month	76,471
Pageviews all time history	1,007,712
Followers	168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099